Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 फरवरी, 2023

कमला कस्तूरी

हाल ही में श्रीमती कमला कस्तूरी का निधन हो गया। वह एक पर्यावरणविद् थीं जिन्होंने **पर्यावरण संरक्षण** में अहम योगदान दिया और वे **पर्यावरण सोसायटी, चेन्नई** की संस्थापक भी थीं। वे कई पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं तथा **कावेरी नदी को रंगाई कार्य करने वाले मिलों (Dyeing Units) से बचाने एवं नदी की सफाई के अभियान** में शामिल थीं। उन्होंने कई वृक्षारोपण अभियानों में भाग लिया था और बूचड़खाने के खिलाफ **जनहित याचिका (Public Interest Litigation- PIL) भी दायर की थी, जिसे रेड हिल्स (सेंगुंद्रम, तमिलनाडु) में प्रस्तावित किया गया था।**

और पढ़ें...कावेरी नदी और संबंधित विवाद

संसद रत्न पुरस्कार

संसद रत्न पुरस्कार समारोह का **13वाँ संस्करण 25 मार्च, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित** किया जाएगा। संसद रत्न पुरस्कारों की स्थापना **डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सुझाव पर शीर्ष प्रदर्शन करने वाले सांसदों** को सम्मानित करने के लिये की गई थी। उन्होंने स्वयं **वर्ष 2010 में चेन्नई में पुरस्कार समारोह के पहले संस्करण का शुभारंभ किया था।** अब तक शीर्ष प्रदर्शन करने वाले **90 सांसदों को सम्मानित किया जा चुका है।** संख्या के संदर्भ में पुरस्कारों के शतक के निशान को पार कर **13वाँ संस्करण इतिहास में दर्ज हो जाएगा।**

और पढ़ें... संसद, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

विनाइल क्लोराइड: मानव शरीर के लिये खतरा

हाल ही में पूर्वी फिलिस्तीन, ओहियो में पटरी से उतरने और जलने वाली कई ट्रेन कारों में प्रयोग होने वाला रसायन विनाइल क्लोराइड मानव यकृत के लिये बेहद हानिकारक हो सकता है। यकृत रक्त से विषाक्त पदार्थों को हटाने के लिये शरीर का फिल्टर है। हेपेटोसाइट्स के रूप में जानी जाने वाली विशेष कोशिकाएँ दवाओं, शराब, कैफीन और पर्यावरणीय रसायनों की विषाक्तता को कम करने में मदद करती हैं तथा अवशिष्टों को उत्सर्जित करने के लिये भेजती हैं।

रसायन को यकृत कैंसर के साथ-साथ एक गैर-घातक यकृत रोग के कारण के रूप में जिसे TASH या विषाक्त-संबद्ध स्टीटोहेपेटाइटिस के रूप में जाना जाता है। विनाइल क्लोराइड का उपयोग पॉलीविनाइल क्लोराइड (PVC) का उत्पादन करने के लिये किया जाता है, जो पाइप के लिये उपयोग किया जाने वाला एक कठोर प्लास्टिक है, साथ ही कुछ पैकेजिंग, कोटिंग्स और तारों में भी उपयोग होता है।

भारत का पहला हाइब्रिड रॉकेट

हाल ही में निजी कंपनियों द्वारा **भारत का पहला हाइब्रिड-साउंडिंग रॉकेट तमिलनाडु के चेंगलपट्टू से लॉन्च किया गया।** मार्टिन फाउंडेशन ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंटरनेशनल फाउंडेशन और स्पेस ज़ोन इंडिया के सहयोग से **डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल मिशन- 2023 लॉन्च किया है।** संगठनों ने उल्लेख किया कि परियोजना में 5,000 छात्र शामिल थे। चयनित छात्रों ने **एक छात्र उपग्रह प्रक्षेपण यान (रॉकेट)** और **150 PICO उपग्रह** (1 किलोग्राम से कम द्रव्यमान वाले उपग्रह, आधुनिक लघुकरण तकनीकों के उपयोग से कार्यान्वित) अनुसंधान प्रयोग क्यूब्स का **डिज़ाइन एवं निर्माण किया,** जिसमें विभिन्न पेलोड शामिल थे। **रॉकेट का उपयोग मौसम, वायुमंडलीय स्थितियों और विकिरण में अनुसंधान के लिये किया जा सकता है।** हाइब्रिड रॉकेट इंजन एक बाइप्रोपेलेंट रॉकेट इंजन है जो दो अवस्थाओं में प्रणोदक का उपयोग करता है, आमतौर पर तरल और ठोस, जब प्रतिक्रिया किये जाने पर रॉकेट प्रणोदन के लिये उपयुक्त गैसें उत्पन्न करता है। वर्ष 2022 में **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने भारत का पहला निजी तौर पर विकसित रॉकेट विक्रम-S भेजा।** यह एक सिंगिल-स्टेज स्पिन-स्टेबलाइज़्ड सॉलिड प्रोपेलेंट रॉकेट है जिसका वज़न लगभग 545 किलोग्राम है।

और पढ़ें...भारत का अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र, विक्रम-एस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-21-february-2023